

राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर उत्पाद नीति-2019

सन्दर्भ

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सॉफ्टवेयर उत्पादों पर राष्ट्रीय नीति - 2019 को मंजूरी दे दी ताकि भारत को एक सॉफ्टवेयर उत्पाद राष्ट्र के तौर पर विकसित किया जा सके।
- इस नीति का उद्देश्य देश को सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास का प्रमुख केंद्र बनाना है। इससे 2025 तक 65 लाख नौकरियों का सृजन होगा।
- देश का सूचना प्रौद्योगिकी कारोबार 168 अरब डॉलर का है। इसमें अधिकतर हिस्सेदारी सेवाओं की है जबकि इसमें सॉफ्टवेयर उत्पादों का हिस्सा कम है। यह मात्र 7.1 अरब डॉलर है। अधिकतर सॉफ्टवेयर उत्पाद आयात किए जाते हैं।

प्रमुख प्रभाव

- सॉफ्टवेयर उत्पाद पारिस्थितिकी तंत्र को इसके नवाचारों, बौद्धिक संपदा (आईपी) सृजन और उत्पादकता में विशाल मूल्य संवर्धन वृद्धि से परिभाषित किया जाता है।
- इसमें इस क्षेत्र के राजस्व और निर्यातों को महत्वपूर्ण ढंग से बढ़ाने, मूलभूत रोजगार और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में उद्यम संबंधी अवसरों को पैदा करने, और डिजिटल भारत कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने की संभावना है जिससे समावेशी और स्थायी विकास में बढ़ोतरी का मार्ग प्रशस्त होगा।
- इस नीति के अंतर्गत योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु अगले सात वर्षों के लिए 1500 करोड़ रुपये के व्यय को सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास निधि (एसपीडीएफ) और अनुसंधान एवं नवाचार निधि में विभाजित किया जाएगा।

इस नीति में क्रियान्वयन के लिए पांच मिशन रखे गए हैं -

1. बौद्धिक संपदा (आईपी) से संचालित होने वाले एक स्थायी भारतीय सॉफ्टवेयर उत्पाद उद्योग के निर्माण को प्रोत्साहित करना जिससे 2025 तक वैश्विक सॉफ्टवेयर उत्पाद बाजार में भारत की हिस्सेदारी में दस गुना बढ़ोतरी तक पहुंचा जा सके।
2. सॉफ्टवेयर उत्पाद उद्योग में 10,000 प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को पोषित करना जिसमें टीयर-2 और टीयर-3 नगरों व शहरों में ऐसे 1000 प्रौद्योगिकी स्टार्टअप भी शामिल हैं, और 2025 तक सीधे या अप्रत्यक्ष तौर पर 35 लाख लोगों के लिए रोजगार निर्मित करना।
3. सॉफ्टवेयर उत्पाद उद्योग के लिए एक प्रतिभा समूह का निर्माण करना-
 - (a) 1,000,000 सूचना प्रौद्योगिकी पेशेवरों को अतिरिक्त कुशलताओं से सुसज्जित करना
 - (b) 100,000 स्कूल और कॉलेज विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना, और
 - (c) 10,000 विशेषीकृत पेशेवरों का निर्माण करना जो नेतृत्व प्रदान कर सकें।
4. एकीकृत आईसीटी आधारभूत ढांचे, मार्केटिंग, इनक्यूबेशन, अनुसंधान व विकास/परीक्षण मंच और परामर्श सहयोग वाले 20 क्षेत्रवार व रणनीतिक रूप से स्थित सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास क्लस्टर विकसित करते हुए एक क्लस्टर आधारित नवाचार संचालित पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना।
5. इस नीति की योजना और कार्यक्रमों पर निगरानी रखने और उन्हें विकसित करने की दिशा में राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर उत्पाद मिशन की स्थापना की जाएगी जिसमें सरकार, शिक्षा समुदाय और उद्योग की भागीदारी होगी।

मुख्य परीक्षा प्रश्न

अमेरिकी 'बाजार' नीति, भारतीय IT और सॉफ्टवेयर कंपनियों को सीधा प्रभावित करती है। अमेरिका जैसे देशों से निर्भरता को कम करने में राष्ट्रीय उत्पाद नीति सॉफ्टवेयर उत्पाद नीति 2019 कहां तक कारगर सिद्ध होगा?

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. अमेरिकी नीतियों को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इसका असर भारत के सॉफ्टवेयर निर्यात पर प्रतिकूल पड़ेगा।
2. भारतीय सेवा क्षेत्र के लिए अफ्रीका और यूरोप एक बड़ा बाजार है।
3. सेवा क्षेत्र में अग्रणी होने के बावजूद सॉफ्टवेयर का आयात भारत करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है?

- (a) 1 और 2 (b) 2 और 3 (c) 1 और 3 (d) उपर्युक्त सभी